



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

820
27/7/11

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 424]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 18, 1989/आषाढ़ 27, 1911

No. 424]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 18, 1989/ASADHA 27, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय
(कंपनी कार्य विभाग)
(कंपनी विधि बोर्ड)

प्रादेश

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1989

का. प्रा. 550 (अ) :—कंपनी विधि बोर्ड का यह समाधान हो गया है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि चांदपुर शगर कंपनी लिमिटेड, जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन नियमित एक सरकारी कंपनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय डाकघर चांदपुर—246725 जिला बिजनौर, उत्तर प्रदेश में है, के मूल उद्देश्य को प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए और नीति में समन्वय, दक्ष प्रशासन और चीनी उद्योग की गन्तु के लिए लगाने गई अधिशेष निधि का लाभकारी प्रयोग सुनिश्चित करने के लिए यू. पी. स्टेट शगर कारपोरेशन लिमिटेड जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन नियमित एक सरकारी कंपनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 5, मराबाई मार्ग, लखनऊ—226001 उत्तर प्रदेश में है और उक्त चांदपुर शगर कंपनी लिमिटेड, जो एक सरकारी कंपनी है, को एक कंपनी में समाहित किया जाना चाहिए :

और प्रस्तावित प्रादेश के प्राप्ति की एक प्रति पूर्वोक्त कंपनियों अर्थात्, चांदपुर शगर कंपनी लिमिटेड और यू. पी. स्टेट शगर कारपोरेशन लिमिटेड को दो देशी भाषा के समाचार पत्रों में प्रकाशन के लिए भेजी गई थी और कंपनी विधि बोर्ड को समावेशन स्कीम के संबंध में आक्षेप/मुसाव प्राप्त हुए हैं।

और कंपनी विधि बोर्ड ने आक्षेप कर्तव्यों अर्थात् चीनी मिल अमिक संघ तथा शगर कंपनी कर्मचारी यूनियन, चांदपुर और संबंधित कंपनी की तारीख 29-3-1989 को मुनबाई की और जैसा कि निर्देशित किया गया था, उ. प्र. राज्य चीनी कारपोरेशन लिमिटेड ने एक शरणाग्र तारीख 27 मई, 1989 को फाइल किया है जिसके द्वारा यह पुष्टि की गई है कि कंपनी ने यह ग. रंटी दी है कि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 396 के अधीन चांदपुर शगर कंपनी लिमिटेड का उ. प्र. राज्य चीनी कारपोरेशन लिमिटेड के साथ समावेशन की दशा में भी चांदपुर शगर कंपनी लिमिटेड के कर्मचारियों को इस राय दी जा रही सभी सुविधाएं ऐसे समावेशन के पश्चात् भी उन्हें दी जाती रहेंगी और उनमें किसी प्रकार की कोई कटौती नहीं की जाएगी, यह कि यदि ऐसा पाया गया कि चांदपुर शगर कम्पनी लिमिटेड के कर्मकार ऐसी किन्हीं सुख-सुविधाओं के हकदार हैं जो उन्हें

तत्समय प्रदान नहीं की जा रही हैं तो वे उन्हें उक्त प्रस्तावित समामेलन के पूरा हो जाने के पश्चात् एक वर्ष की अवधि के भीतर कारपोरेशन द्वारा प्रदान की जाएंगी; यह कि वे सुविधाएँ जो यू. पी. स्टेट शुगर कारपोरेशन लिमिटेड के ऐसे कर्मचारियों को उपलब्ध हैं जो उसके द्वारा सीधे भर्ती किए गए थे और जो इसके एककों में कार्यरत हैं, पूर्वोक्त प्रस्तावित समामेलन के पश्चात् चांदपुर शुगर कंपनी लिमिटेड के कर्मचारियों को भी दी जाएंगी, और यह कि विशेष प्रोत्साहन और बोनस जो नियमावली के अनुसार चांदपुर शुगर कंपनी लिमिटेड के कर्मचारियों को तत्समय अनुभूत है उक्त वर्णित प्रस्तावित समामेलन के पश्चात् भी कार्यपालन के आधार पर उन्हें दिए जाते रहेंगे।

अतः अब कंपनी विधि बोर्ड भारत सरकार के कंपनी कार्य विभाग की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 443 (अ) तारीख 18-10-1972 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 396 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदान शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दोनों कंपनियों को एकल कंपनी में समामेलन करने का उपबंध करने के लिए निम्नलिखित आदेश करता है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम:—इस आदेश का संक्षिप्त नाम चांदपुर शुगर कंपनी लिमिटेड और यू. पी. स्टेट शुगर कारपोरेशन लिमिटेड (गमा-मेलन) आदेश, 1989 है।

2. परिभाषाएं:—इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, :—

- (क) "नियत दिन" से वह तारीख अभिप्रेत है, जिसको यह आदेश राजपत्र में अधिसूचित किया जाता है;
- (ख) "विघटित कंपनी" से चांदपुर शुगर कंपनी लिमिटेड अभिप्रेत है, और
- (ग) "परिणामी कंपनी" से यू. पी. स्टेट शुगर कारपोरेशन लिमिटेड अभिप्रेत है।

3. (क) दोनों कंपनियों का अंश धारण का स्वरूप निम्नलिखित है :—

- (1) यू. पी. स्टेट शुगर कारपोरेशन लिमिटेड (होल्डिंग कंपनी) तारीख 30-09-87 को :—

अंश धारकों के नाम	अंशों की संख्या	रकम (रुपये में)
उत्तर प्रदेश सरकार, जिसके अन्तर्गत उसके नामनिर्देशित भी हैं।	1,06,13,840	1,06,13,84,000
(2) चांदपुर शुगर कंपनी लिमिटेड (समनुपुंजी कंपनी) तारीख 31-7-1987 को :—		

अंश धारकों के नाम	अंशों की संख्या	रकम (रुपये में)
यू. पी. स्टेट शुगर कारपोरेशन लिमिटेड जिसके अन्तर्गत उसके नाम निर्देशित भी हैं।	3,90,000	3,90,00,000

(ख) चांदपुर शुगर कंपनी लिमिटेड में 100 रुपये वाले पूर्णतः समादात सभी 3,90,000 साधारण अंशों (शेयरों) को जो अब यू. पी. स्टेट शुगर कारपोरेशन लिमिटेड जिसके अन्तर्गत उसके नाम निर्देशित भी हैं, के नाम में धारित हैं, रद्द कर दिए जाएंगे।

(ग) क्योंकि चांदपुर शुगर कंपनी लिमिटेड भी समस्त अंश पूंजी यू. पी. स्टेट शुगर कारपोरेशन लिमिटेड के जिसके अन्तर्गत उसके नाम

निर्देशित भी हैं, नाम में धारित है, परिणामी कंपनी के लिए उन व्यक्तियों को जिनके नाम नियत दिन के ठीक पहले विघटित कंपनी के सदस्यों के रजिस्टर में अंकित हैं, को कोई अन्य सूचना देना आवश्यक नहीं होगा।

4. कंपनियों का समामेलन :—(1) नियत दिन से ही चांदपुर शुगर कंपनी लिमिटेड और यू. पी. स्टेट शुगर कारपोरेशन लिमिटेड का समस्त कारबार और उपक्रम जहां है और जहां वहां भी है, जिसके अन्तर्गत जंगम या स्थावर सभी मंपत्तियां और किसी भी प्रकार की अन्य आस्तियां अर्थात् मशीनरी और भा निर्यत आस्तियां, पट्टे धारणाधिकार, शेयरों में विनिधियां अन्यथा व्यावरिक्त, कर्मशाला, औजार, अभिवहन में माल, सभी प्रकार के धन के अधिन, बहो ऋण, बकाया धन, वसूलीय दावे, करार, औद्योगिक और अन्य अनुज्ञप्तियां तथा अनुज्ञापत्र, प्राप्ति और अन्य अनुज्ञप्तियां, औद्योगिक और अन्य अनुज्ञप्तियां तथा अनुज्ञापत्र, प्राप्ति और अन्य अनुज्ञप्तियां, आय-पत्र और प्रत्येक वर्णन के सभी अधिकार और शक्तियां हैं, किंतु सभी बंधकों और प्रभारों तथा आडमान, प्रत्याभूतियां और सभी प्रकार के अधिकारों जिनसे चांदपुर शुगर कंपनी लिमिटेड की उक्त सम्पत्तियां पर प्रभाव पड़ता है, के अधीन रहते हुए, बिना किसी अन्य कार्य या शिख के, तत्समय प्रयुक्त विधि के अनुसार यू. पी. स्टेट शुगर कारपोरेशन लिमिटेड को अन्तर्गत और उसमें निहित हो जाएंगे तथा उसमें अन्तर्गत और निहित हो गए समस्त जाएंगे।

(2) लेखा प्रयोजनों के लिए, समामेलन, विघटित कंपनी के 31 जुलाई, 1987 को विद्यमान संपरीक्षित लेखा और तुलनपत्र के प्रतिनिर्देश से प्रभावी होगा और उसके पश्चात् किए गए संव्यवहारों को एक सामान्य लेखा में पूरा किया जाएगा। विघटित कंपनी से किसी पश्चात्पूर्व तारीख को अन्तिम लेखा तैयार करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी और परिणामी कंपनी 31 मार्च, 1987 को विघटित कंपनी के तुलनपत्र के अनुसार सभी आस्तियों और दायित्वों को ग्रहण कर लेगी और उसके पश्चात् सभी संव्यवहारों का पूर्ण उत्तरदायित्व स्वीकार करेगी।

स्पष्टीकरण :—“विघटित कंपनी के उपक्रम” के अन्तर्गत सभी अधिकार, शक्तियां, प्राधिकार और विशेषाधिकार और जंगम या स्थावर सभी सम्पत्तियां, जिसके अन्तर्गत नकदी अतिशेष, आरक्षितियां, राजस्व अतिशेष, विनिधान और ऐसी सम्पत्ति जो नियत दिन के ठीक पूर्व विघटित कंपनी की हो या उसके कब्जे में हो को या उससे उद्भूत सभी अन्य हित और अधिकार भी हैं, तथा उससे संबंधित सभी बांधों, लेख और दस्तावेज तथा विघटित कंपनी के उस समय विद्यमान सभी ऋण दायित्व, कर्तव्य और बाध्यताएं, जहां वे किसी भी प्रकार की हों, सम्मिलित हैं।

5. सम्पत्ति की कितनी मदों का अन्तरण :—इस आदेश के प्रयोजन के लिए नियत दिन को विघटित कंपनी के सभी लाभ या हानियां, या दोनों, यदि कोई हों, और विघटित कंपनी के राजस्व आरक्षितियां या कमियां या दोनों, यदि कोई हैं, जब परिणामी कंपनी को अन्तर्गत की जाएं, परिणामी कंपनी के, यथास्थिति, लाभ या हानि तथा राजस्व आरक्षितियां या कमी का भाग बन जाएंगी।

6. संविदाओं आदि की व्याप्ति :—इस आदेश में अंतर्लिखित अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए सभी संविदाएं, शिख, बन्धन, करार और अन्य लिखित बांधे वे किसी भी प्रकार की हों, जिनमें विघटित कंपनी एक पक्षकार है, और जो नियत दिन के ठीक पूर्व विद्यमान या प्रभावशील थी, परिणामी कंपनी के विरुद्ध या उसके पक्ष में उस दिन से पूर्णतः बलशील और प्रभावशील होंगी और उन्हें वैसे ही पूर्ण और प्रभावी रूप से प्रवृत्त किया जा सकेगा मानो विघटित कंपनी की बजाय परिणामी कंपनी उनकी एक पक्षकार थी।

7. विधिक कार्यवाहियों की व्याप्ति :—यदि नियत दिन को विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध कोई वाद, अभियोजन, अपील या किसी भी प्रकृति की अन्य विधिक कार्यवाही संघटित है तो वह विघटित कंपनी के उपक्रम के परिणामी कंपनी को अन्तर्गत हो जाने के कारण या इस स्फांस में अन्तर्विष्ट किसी बात के कारण, उपशमित नहीं होगी या उसे बन्व नहीं दिया जायेगा अथवा किसी भी प्रकार उस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा, किन्तु वह वाद, अभियोजन, अपील या अन्य विधि कार्यवाही, परिणामी कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध उसी रीति से और उसी विस्तार तक जारी रखी जा सकेगी, अभियोजित और प्रवर्तित की जा सकेंगी जिस रीति से और जिस विस्तार तक वह इस स्कीम के न किये जाने की दशा में, विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध जारी रखी जाती, या अभियोजित और प्रवर्तित की जाती या जारी रखी जा सकती थी या अभियोजित और प्रवर्तित की जा सकती थी।

8. कराधान की बाबत उपबन्ध :—नियत दिन के पूर्व विघटित कंपनी द्वारा किए जा रहे कारबार के लाभों और अभिलाभों (जिनके अन्तर्गत धारा 80 का के अधीन संघित हानियां और अनादेशित अवशयण, विनिधान भोक और अन्य अनुतोष भी हैं) की बाबत सभी कर ऐसी रियायतों और अनुतोषों के अधीन रहते हुए जो इस सम्मेलन के परिणाम स्वरूप आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन अवज्ञात किए जाएं परिणामी कंपनी द्वारा संदेय होंगे।

9. विघटित कंपनी के विद्यमान अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की बाबत उपबन्ध : विघटित कंपनी में नियत दिन के ठीक पूर्व नियोजित पूर्णकालिक अधिकारी (जिनके अन्तर्गत पूर्णकालिक निदेशक और कंपनी मंचिव भी हैं (या अन्य कर्मचारी) जिनके अन्तर्गत विघटित कंपनी के अन्य निदेशक नहीं हैं। नियत दिन से ही परिणामी कंपनी का व्यवसायिक, अधिकारी या कर्मचारी बन जायेगा और वह उसमें अपना पद या अपनी सेवा उसी अवधि तक और उन्हीं निबन्धनों और शर्तों पर तथा जैसे ही अधिकारों और विवेकाधिकारों के साथ धारण करेगा जैसा वह, इन आदेश के न किये जाने की दशा में, विघटित कंपनी के अर्थात् धारण करता और वह तब तक ऐसा करता रहेगा जब तक परिणामी कंपनी में उसका निर्वान्त सम्बन्ध रूप से समाप्त नहीं कर दिया जाता या जब तक उसका पारिश्रमिक और नियोजन की शर्तें पारस्परिक सहमति द्वारा सम्यक् रूप से परिवर्तित नहीं कर दी जाती हैं।

10. निदेशकों की स्थिति :—विघटित कंपनी का प्रत्येक निदेशक जो नियत दिन के ठीक पूर्व, उस समय में पद धारण कर रहा था, नियत दिन को, विघटित कंपनी का निदेशक नहीं रहेगा।

11. भविष्य निधि की नगण्यता : विघटित कंपनियों के सभी अधिकारी और कर्मचारी, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 की स्कीम के अधीन उन कर्मचारी भविष्य निधि के सदस्य बने रहेंगे जिनके वे सदस्य हैं और यू.पी. स्टेट शूगर कारपोरेशन लिमिटेड इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के नियत दिन से उन अधिकारियों और कर्मचारियों की बाबत उन्हीं दरों पर, जिन पर विघटित कंपनियों द्वारा अभिवाय किया जाता था, उक्त कर्मचारी भविष्य निधि में नियोजकों का अभिवाय करेगी और करनी रहेगी।

12. चांदपुर शूगर कंपनी लिमिटेड का विघटन : इस आदेश के अन्य उपबन्धों के अधीन रहते हुए, नियत दिन से ही चांदपुर शूगर कंपनी लिमिटेड विघटित हो जायेगी और कोई भी व्यक्ति विघटित कंपनी या उसके किसी निदेशक या अधिकारी के विरुद्ध ऐसे निदेशक या अधिकारी की हैसियत से, कोई दावा, मांग या कार्यवाही, सिवाय वहां तक जहां तक कि वह इस आदेश के उपबन्धों को प्रवर्तित करने के लिए आवश्यक है, नहीं करेगा।

13. कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा आदेश का रजिस्ट्रीकरण : कंपनी विधि बोर्ड इस आदेश के राजपत्र में अधिसूचित किए जाने के यथाशीघ्र पञ्चान् कंपनी रजिस्ट्रार उत्तर प्रदेश को इस आदेश की एक प्रति भेजेगा और

उसकी प्राप्ति पर कंपनी रजिस्ट्रार, उ.प्र. परिणामी कंपनी द्वारा विहित फीस का संवाय किये जाने पर आदेश को रजिस्ट्रीकृत करेगा और उस आदेश की प्रति प्राप्त होने के एक मास के भीतर रजिस्ट्रीकरण को अपने हस्ताक्षर से अधिप्रमाणित करेगा। उसके बाद कंपनी रजिस्ट्रार उ.प्र. विघटित कंपनी से संबंधित उसके पास रजिस्ट्रीकृत, अभिलिखित या फाइल किये गए सभी दस्तावेजों यू.पी. स्टेट शूगर कारपोरेशन लि. की फाइल में, जिसके साथ अन्तर्राष्ट्रीय कंपनी का सम्मेलन किया गया है, रखेगा और उन्हें समेकित करेगा तथा इस प्रकार समेकित दस्तावेजों को अपनी फाइल में रखेगा।

14. परिणामी कंपनी के संगम-जापन और संगम-अनुच्छेद : यू.पी. स्टेट शूगर कारपोरेशन लिमिटेड के संगम जापन और संगम-अनुच्छेद जैसे कि वे नियत दिन के ठीक पूर्व विद्यमान थे, नियत दिन से ही, परिणामी कंपनी के संगम जापन और संगम-अनुच्छेद हो जाएंगे।

[सं. 24/9/88-नी एल-III]

एम. कुनार, सदस्य, कंपनी विधि बोर्ड

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Company Affairs)
(Company Law Board)

New Delhi, the 18th July, 1989

ORDER

S.O. 550(E).—Whereas the Company Law Board is satisfied that for the purposes of securing the principal object of the Chandpur Sugar Company Limited, a Government Company, incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its Registered Office at P. O. Chandpur-246725, District Bijnor, Uttar Pradesh, and for the purposes of ensuring coordination in policy, efficient administration, gainful employment of surplus funds generated for the growth of the sugar industry, it is essential, in the public interest, that the U. P. State Sugar Corporation Limited, a Government Company, incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its Registered Office at No. 5 Mira Bai Marg, Lucknow—226001, Uttar Pradesh and the said Chandpur Sugar Company Limited, a Government Company should be amalgamated into a single company.

And whereas, a copy of the proposed order was sent in draft to the companies aforesaid, namely, the Chandpur Sugar Company Limited and U. P. Sugar Corporation Limited, for its publication in two vernacular newspapers and objections/suggestions have been received by the Company Law Board in regard to the scheme of amalgamation;

And whereas, a hearing was given by the Company Law Board to the objectors namely Chini Mill Shramik Sangh and Sugar Company Karamchhari Union, Chandpur and the Company concerned on 29-3-89 and as directed M/s. U. P. State Sugar Corporation Ltd. has filed an affidavit dated 27th May, 1989 affirming that the Company guarantees that in the event of amalgamation of Chandpur Sugar Company Limited with U. P. State Sugar Corporation Ltd., under section 396 of the Companies Act, 1956, all the facilities and amenities enjoyed by the workman of Chandpur Sugar Company Limited for the time being shall continue to

be afforded to them even after such amalgamation and the same shall not be curtailed; that in case the workers of Chandpur Sugar Company Limited are found to be entitled to any such amenities which for the time being are not being afforded to them shall be afforded to them by the Corporation within the period of one year after completion of the aforesaid proposed amalgamation; that the facilities which are for the time being available to such employees of U. P. State Sugar Corporation Limited who were directly recruited by it and are working in its Units will also be extended to the workmen of Chandpur Sugar Company Limited, after the aforesaid proposed amalgamation; and that the special incentives and bonus which are for the time being admissible as per rules to the workers of Chandpur Sugar Company Ltd. shall continue to be admissible to them based on performance even after the above mentioned proposed amalgamation.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 396 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Notification of the Government of India in the Department of Company Affairs No. G.S.R. 443(E) dated the 18th October, 1972 the Company Law Board makes the following order to provide for the amalgamation of the said two companies into a single company namely :—

1. Short title.—This order may be called the Chandpur Sugar Company Limited and U. P. State Sugar Corporation Limited (Amalgamation) order 1989.

2. Definitions.—In this Order, unless the context otherwise requires —

- (a) "appointed day" means the date on which this order is notified in the Official Gazette;
- (b) "dissolved company" means the Chandpur Sugar Company Limited, and
- (c) "resulting company" means the U.P. State Sugar Corporation Limited.

3. (a) The shareholding pattern of the two companies is as under :—

□(i) U.P. State Sugar Corporation Limited (Holding Company) as on 30-09-1987.

Name of the shareholder	Number of shares	Amount (Rs.)
Government of Uttar Pradesh, including their Nominees	1,06,13,840	1,06,13,84,000

(ii) Chandpur Sugar Company Limited (Subsidiary Company) as on 31-07-1987.

Name of the shareholder	No. of shares	Amount (Rs.)
U.P. State Sugar Corporation Limited including their nominees	3,90,000	3,90,00,000

(b) All the 3,90,000 Equity shares of Rs. 100/- each fully paid up in the Chandpur Sugar Company

Limited, which are now held in the name of U.P. State Sugar Corporation Limited, including their nominees, shall be cancelled.

(c) Since the entire share capital of the Chandpur Sugar Company Limited is held in the name of U. P. State Sugar Corporation Limited, including their nominees, the resulting company shall not be required to send any further notice to the persons, whose names appear immediately before the appointed day, in the Register of Members of the dissolved company".

4. Amalgamation of the Companies.—(1) On and from the appointed day, the entire business and undertaking of Chandpur Sugar Company Limited and U. P. State Sugar Corporation Limited in as is where is condition including all the properties, movable or immovable and other assets of whatsoever nature, e.g. machinery and all fixed assets, leases, tenancy rights investments in shares or otherwise, stock-in-trade, workshop tools, goods-in-transit, advances of monies of all kinds, book debts, outstanding monies, recoverable claims, agreements, industrial and other licences and permits, imports and other licences, letters of intent and all rights and powers of every description, but subject to all mortgages and charges and hypothecation, guarantees and all rights whatsoever affecting the said properties of Chandpur Sugar Company Limited shall without further act or deed be transferred to and vest in or deemed to be transferred to and vest in U.P. State Sugar Corporation Ltd., in accordance with the law in force.

(2) For accounting purposes, the amalgamation shall be effected with reference to the audited accounts and balance sheets as on 31st July, 1987 of the dissolved company and the transactions thereafter shall be pooled into a common account, the dissolved Company shall not be required to prepare its final accounts as on any later date and the resulting Company shall take over all assets and liabilities according to the balance sheet of the dissolved company: as on the 31st July, 1987 and accept full responsibility for all transactions thereafter.

Explanation—The undertaking of the dissolved Company shall include all rights, powers, authorities and privileges and all property, movable or immovable including cash balances, reserves, revenue balances, investments and all other interests and right in or arising out of such property as may belong to or, be in the possession of the dissolved Company immediately before the appointed day, and all books, accounts and documents relating thereto and also all debts, liabilities, duties and obligation of whatever kind then existing of the dissolved Company.

5. Transfer of certain items of property—For the purpose, of this Order, all the profits or losses, or both, if any, of the dissolved Company as on the appointed day, and the revenue reserves or deficits, or both, if any, of the dissolved Company when transferred to the resulting company shall respectively form part of the profits or losses and the revenue reserves or deficit, as the case may be, of the resulting Company.

6. Saving of Contracts Etc.—Subject to the other provisions contained in this scheme, all contracts, deeds, bonds, agreements and other instruments of whatever nature to which the dissolved Company is a party, subsisting or having effect immediately before the appointed day shall have full force and effect against or in favour of the resulting Company and may be enforced as fully and effectually, as if, instead of the dissolved Company, the resulting Company had been a party thereto.

7. Saving of Legal proceedings.—If on the appointed day, any suit, prosecution appeal or other legal proceeding of whatever nature by or against the dissolved Company be pending, the same shall not abate or be discontinued, or be in any way prejudicially affected by reason of the transfer to the resulting Company of the undertaking of the dissolved Company or of anything contained in this scheme but the suit, prosecution appeal or other legal proceeding may be continued, prosecuted and enforced by or against the resulting Company in the same manner and to the same extent as it would or may be continued, prosecuted and enforced by or against the resulting Company in the same manner and to the same extent as it would or may be continued, prosecuted and enforced by or against the dissolved Company if this scheme had not been made.

8. Provisions with Respect of Taxation.—All taxes in respect of the profits and gains (including accumulated losses and unabsorbed depreciation, Investment Allowance and Rule of u/s 80. J) of the business carried on by the dissolved Company before the appointed day shall be payable by the resulting Company subject to such concession and reliefs as may be allowed under Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) as a result of this amalgamation.

9. Provisions Respecting Existing Officers and other Employees of the Dissolved Company.—Every whole-time officer (including whole-time Directors and the Company Secretary) or other employee (excluding the other Directors of the dissolved Company) employed immediately before the appointed day in the dissolved Company, shall, as from the appointed day, become a Officer or other employee as the cash may be, of the resulting Company and shall hold his office or service therein by the same tenure and upon the same terms and conditions and with the same rights and privileges as he would have held under the dissolved Company, if this Order had not been made, and shall continue to do so unless and until his employment in the resulting Company, is duly terminated or until his remuneration and conditions of employment are duly altered by mutual consent.

10. Position of Directors.—Every Director of the dissolved Company holding office as much immediately before the appointed day shall cease to be a Director of the dissolved Company on the appointed day.

11. Membership of Provident Fund.—All officers and employees of the dissolved Companies shall continue to be the members of the Employees Provident Fund under the scheme of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 of which they are members and U. P. State Sugar Corporation Limited, shall with effect from the appointed day of publication of this Order in the Official Gazette make and continue to make the employers' contributions to the said Employees Provident Fund in respect of these Officers and employees at the same rates as were being made by the dissolved Companies.

12. Dissolution of the Chandpur Sugar Company Limited.—Subject to the other provisions of this Order, as from the appointed day, the Chandpur Sugar Company Limited shall be dissolved and no person shall make, assert or take any claims, demands or proceedings against the dissolved Company or against a director or an officer thereof in his capacity as such Director or Officer, except in so far as may be necessary for enforcing the provisions of this Order.

13. Registration of the order by the registrar of Companies.—The Company Law Board shall, as soon as may be, after this Order is notified in the Official Gazette, send to the Registrar of Companies, Uttar Pradesh, a copy of this Order, on receipt of which the Registrar of Companies, Uttar Pradesh shall register the Order on payment of the prescribed fees by the resulting Company and certify under his hand the registration thereof within one month from the date of receipt of a copy of this Order. Thereafter, the Registrar of Companies, Uttar Pradesh shall forthwith include all documents registered, recorded or filed with him relating to the dissolved Company on the file of M/s. U. P. State Sugar Corporation Limited with whom the transferor Company has been amalgamated and consolidate these and shall all keep such consolidated documents on his file.

14. Memorandum and Articles of Association of the Resulting Company.—The memorandum and Articles of Association of the U. P. State Sugar Corporation Limited as they stood immediately before the appointed day shall, as from the appointed day be the Memorandum and Articles of Association of the resulting Company.

[No. 24/9/88-CL-III]

S. KUMAR, Member Company Law Board.

